ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के तृतीय दीक्षांत समारोह में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(21 नवम्बर 2022)

जय हिन्द!

आज के इस समारोह में मेरे साथ उपस्थित उच्च शिक्षा मंत्री डा० धन सिंह रावतजी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्के उप महानिदेशक डा० आर.सी. अग्रवालजी, कुलाधिपति प्रो० कमल घनशालाजी, उपकुलाधिपति प्रो० जे० कुमारजी, कुलपति प्रो० आर. गौरीजी, कुलसचिव प्रो० अरविन्द धरजी, विश्वविद्यालय शासक मण्डल, प्रबंधक मण्डल एवं विद्या परिषद् के सदस्यगण, अतिथि गण, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, छात्र–छात्राएं एवं उपस्थित महानुभावों !

आज आप सब के बीच **ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के तृतीय दीक्षांत समारोह में** उपस्थित होकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

सबसे पहले आज इस समारोह में उपाधियां और मेडल प्राप्त करने वाले सभी छात्र–छात्राओं को आपके माता–पिता और गुरूजनों को आपकी सफलता के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो.कमल घनशाला जी को पहाड़ पर ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए बधाई देता हूँ। आपने प्रकृति के शान्त, एकान्त वातावरण में शिक्षा के लिए एक अनुकूल वातावरण चुना, जो हमारे पहाड़ों के विकास के लिए भी आपका एक बड़ा योगदान है।

आप सब जानते हैं कि दीक्षांत समारोह छात्र–छात्राओं के जीवन में एक अविस्मणीयक्षण होता है। विद्यार्थियों को इस विशेष दिन की प्रतीक्षा रहती है।

मेधावी छात्र–छात्राएं विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण होकर जीवन की नई यात्रा पर आगे बढ़ते हैं, तो विश्वविद्यालय और शिक्षकभी अपने छात्र–छात्राओं की उपलब्धियों पर गर्वकी अनुभूति करते हैं।उपाधि और मेडल प्राप्त करने का रोमांच और उत्साह, हर माता–पिता के लिए अपने बच्चों की उपलब्धिपर गर्व होता है।

एक राष्ट्र भी अपने नागरिकों की उपलब्धियों से स्वयं को गौरवान्वित अनुभव करता है। जब कोई नागरिक वैश्विक कीर्ति अर्जित करता है, तो पूरे राष्ट्र को एक गौरव की अनुभूति होती है।

हमारे युवा आज हर क्षेत्र में हमारे राष्ट्र को गौरव के क्षण प्रदान कर रहे हैं। जब हमारी उपलब्धि विश्वस्तरीय होती है, तभी पूरा देश आपकी उपलब्धि पर गर्व करता है।

किसी भीउपलब्धि में व्यक्ति की मेहनत, लगन, निष्ठा के साथ–साथ शिक्षण संस्थान और वहां के गुरूजनों की बहुत बड़ी भूमिका होती है।

हमें अपने हर लक्ष्य को विश्वस्तरीय बनाने का प्रयत्न करना होगा, ताकि हमारी उपलब्धियां हमारे राष्ट्र के हर नागरिक को गौरवान्वित कर सकें।

हमारे राष्ट्र का गौरव बढ़ाने वाले ऐसे ही बड़े सपने हमें हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हमें दिये हैं, जिन्हें हमें जी जान से पूरा करना है। ये लक्ष्य हैं–**विकसित भारत** का लक्ष्य।

गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का लक्ष्य। अपनी विरासत औरधरोहर पर गर्व करने का लक्ष्य। अपने कर्तव्यों का पालन करने का लक्ष्य। ये लक्ष्य छोटे लग सकते हैं, लेकिन ये वही लक्ष्य हैं जो भारत को दुनिया में एक गौरव दिला सकते हैं। भारत को विश्वगुरू के पद तक फिर से पहुंचा सकते हैं।

एक लम्बी प्रतीक्षा के बात आज ऐसा समय आया है, जब हमने आजादी के75 वर्ष पूर्ण होने पर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया है। 75 वर्षों के बाद का यह समय **'अमृत काल'** के रूप में हमारे हर सपनों को पूरा करने का काल है।

चुनौतियाँ बड़ी हैं और काम ज्यादा है। आपसभी नौजवान युवा इस परिवर्तन के सूत्रधार हैं। मुझेपूर्ण विश्वास है कि आप में से हर एक'अमृत काल' के हमारे **'विकसित भारत'** के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपना योगदान देंगें।

उन्नत शिक्षा व्यवस्था, आर्थिक समृद्धि, कौशल सम्पन्न भारत के सपनों को आप युवा ही सच कर सकते हैं।

वर्ष 2030 तक भारत दुनिया के 14 करोड़युवाओं के साथ सबसे युवा राष्ट्र के रूप में होगा। इन 10 वर्षों में दुनिया के हर चार स्नातकों में से एक भारतीय युवा होगा।

क्या हम तब तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कम्प्यूटिंग, बिग डाटाप्रौद्योगिकी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, मैटावर्स, डिजिटल कनैक्टिविटी, मास मीडिया, सोशल मीडिया, इंटरनेट संचालित ज्ञान अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान देने वाले होंगें?

वैश्वीकरणके प्रभाव में बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा के युग में जब दुनिया में सब कुछ बहुत तेजगति सेबदल रहा है। हमें अपने लक्ष्य तय करने होंगे कि आने वाले पांच, दस, पन्द्रह, बीस और पच्चीस सालों में हम कहां होंगे।

भारत की क्या भूमिका होगी, भारत के युवाओं की क्या भूमिका होगी, विकसित भारत के लक्ष्य को कैसे प्राप्त किया जा सकेगा। इन सब बातों पर हमें आज से ही ध्यान देना होगा।

हम सब को भारतीय शिक्षा प्रणाली को ज्ञान अर्थव्यवस्था में नेतृत्व करने में निपुणताएं अर्जित करनी होंगी।

मैं आपके साथ यह भी साझा करना चाहता हूँ कि हमारे पास भी दुनिया को देने के लिए बहुत कुछ है। 'इंडियन नॉलेज सिस्टम' अर्थात भारतीय ज्ञान प्रणाली।

भारत का ज्ञान दुनिया के लिए बहुत उपयोगी होने वाला है। भारत का चिन्तन, भारत का अध्यात्म, योग, आयुर्वेद, मर्म, प्राकृतिक कृषि, औषधीय विज्ञान, जीवन दर्शन ये सब दुनिया के लिए एक वेलनेस सैक्टर के रूप में भारतीय अर्थव्यवस्था एक नयी इकोनॉमी को जन्म देने वाला है। भारत का वैदिक ज्ञान, विज्ञान बड़े स्तर पर मानव के जीवन प्रबंधन के क्षेत्र में बड़ा योगदान देने वाला होगा ।

इसलिए हमें अपने प्राचीन ज्ञान–विज्ञान की हर एक शाखा को बचाए रखने के लिए, उसमें शोध अनुसंधान करने में निवेश करना होगा। प्रकृति रक्षा के रहस्यमय सूत्र धरती के ससत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक रणनीतिक भूमिका निभाने वाले होंगे।

मुझे खुशी है कि ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी अपने शिक्षालक्ष्यों को लेकर सजग है, और देश एवं विदेशों में अपनी एक खास जगह बनारहा है। उत्कृष्ट श्रेणी की सुविधाएँ प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम बहुविषयक और परिणाम आधारितहोने के साथ–साथ रचनात्मकऔर अंतर्विषयक प्रशिक्षण पर केन्द्रित रहते हुए चरणबद्ध प्रक्रिया से नई शिक्षा नीति के अनुरूप समायोजितहो रहे हैं।

छात्र–छात्राओं को देश–विदेशमें अनेक संगठनों के साथ टाइअप के साथ प्लेसमेंट के अवसर मिल रहे है।

मैं तो आपसे यह अपील करना चाहता हूँ कि आप अपने देश के लिए कुछ कर गुजरने के लिए देश की नीतियों और योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ अर्जित करते हुए अपने हुनर का उपयोग देश के विकास में करें।

स्टार्टअप इंडिया मुहिम से जुडें। अपना उद्यम शुरू करें। नये तौर तरीकों से सोचें कुछ नया करके देश की प्रगति में योगदान दें। नौकरी करने वाले नहीं नौकरी देने वाले बनें।

मुझे विश्वास है कि आप अपने ज्ञान, कौशल, ऊर्जा कोसही दिशा देते हुए देश सफलता अर्जित करें। मुझे विश्वास है कि आप सफलता प्राप्त करेंगे।

एक बार फिर मैं यहां उपस्थित हर एक को आज के इस समारोह के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

सभी छात्र–छात्राओं को एक नयी शुरूआत के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द!